

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 55]  
No. 55]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 2, 2009/माघ 13, 1930  
NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 2, 2009/MAGHA 13, 1930

महानिदेशालय (रक्षोपाय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 2009

विषय : इन्फोर्मेट डेक्लिकल के आयातों के संबंध में रक्षोपाय जांच—प्राथमिक जांच परिणाम।

सा.का.नि. 66(अ).—सीमारुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 एवं उसके सीमारुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं निर्धारण) नियम, 1997 को ध्यान में रखते हुए;

1. भारत में इन्फोर्मेट डेक्लिकल के आयातों के संबंध में रक्षोपाय जांच की शुरुआत संसदीय सूचना 21 जनवरी, 2009 को जारी की गई थी और उक्त सूचना के दिनों में भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था। सूचना की एक प्रति निम्नानुसार समस्त ज्ञात हितवद्ध पार्टियों को भी भेजी गयी थी:

घरेलू उत्पादक

मै. शिवालिक रसायन लि., 1506, चिरंजीवी टॉवर, 43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019

आयातक एवं प्रयोक्ता

(क) मै. रैलिस इंडिया लि., स्पीड हाउस, सार्वजनिक, 3, दिवस वाछ रोड, मुम्बई-400033

(ख) मै. अनु प्रोडक्ट्स लि., टिगाँव रोड, फरीदाबाद, हरियाणा

(ग) मै. हैदराबाद कैमिकल्स लि., ए-24/25, एपीआई, बाला नगर, हैदराबाद-500037 (आ. प्र.)

(घ) मै. इन्सेविटसाइड्स (इंडिया) लि., 401-402, लुसा टॉवर, आजादपुर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, दिल्ली-110033

(ङ) मै. अतुल पेस्टिसाइड्स प्रा. लि., एम-9, 10, 11, गुप्ता टॉवर, आजादपुर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, दिल्ली-110033

(च) मै. जयश्री रसायन उद्योग लि., एम-4, आराधना भवन, आजादपुर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, दिल्ली-110033

(छ) मै. इसाग्रो (एशिया) एग्री कैमिकल्स प्रा. लि., 101, सोलिटियर कॉर्पोरेट पार्क, 151, एम. वासनजी रोड, चकाला, अंधेरी (ईस्ट), मुम्बई-400093

(ज) मै. हिन्दुस्तान पुलवराइजिंग मिल्स, 209-210, अनुपम भवन, आजादपुर, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, दिल्ली-110033

(झ) मै. बॉस एग्री कैमिकल्स, 108, चेतक सेंटर, 12/2, आरएनटी मार्ग, इंदौर-452001 (म.प्र.)।

एसोसिएशन

पेस्टिसाइड मैनुफैक्चरर्स एण्ड फॉर्मूलेटर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (पीएमएफएआई), डी-516, क्रिस्टल प्लाजा, अंधेरी लिंक रोड, अंधेरी (वेस्ट), मुम्बई-400053

निर्यातक

क) चाँगकिंग मिन-फेंग एग्रोकैम कं. लि.  
जिंगकू, शापिंगबा,  
चाँगपिंग  
चीन

ख) जियांग्सु टेंगलॉग ग्रुप  
सं. 1, चेंगजियांग (एन) रोड  
जितुआन टाउन, देफेंग सिटी  
जियांग्सु-224124  
चीन

2. सूचना की एक प्रति निर्यातक देशों की सरकारों को नई दिल्ली स्थित उनके दूतावासों के माध्यम से भिजवाई गई थी।

3. सभी ज्ञात घरेलू उत्पादकों एवं आयातकों को उसी दिन प्रश्नावलियाँ भी भिजवाई गई थीं और उनसे 30 दिन के भीतर अपना उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

4. घरेलू उद्योग ने अतिरिक्त अनुरोधों के साथ प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।

5. आवेदन, उत्तर एवं अतिरिक्त अनुरोधों के समस्त अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फोल्डर में रखे गए हैं।

6. घरेलू उद्योग के विचार

क) घरेलू उत्पादक मै. शिवालिक रसायन लि., जिसका उत्पादन डायमथोएट टेक्निकल के कुल घरेलू उत्पादन का 100% बनता है, ने निम्नलिखित प्रमुख मुद्दे उठाए हैं-

I. उत्पाद डायमथोएट टेक्निकल है जो सुमेलीकृत नामावली प्रणाली के 8-अंकीय कोड 38081026 और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (सीटीए) की प्रथम अनुसूची के 38089123 के अंतर्गत आता है।

II. यह उत्पाद विभिन्न सांद्रणों में होता है। सर्वाधिक सामान्य सांद्रण 85 से 98% के बीच होता है। विभिन्न सांद्रणों के उत्पाद का उपयोग कीटनाशक नुस्खों के रूप में एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है और डायमथोएट टेक्निकल का अपेक्षित सांद्रण 40% से कम होता है। भारत में नुस्खों की बिक्री डायमथोएट टेक्निकल के 30% सांद्रण में की जाती है।

III. भारत में आयात वर्ष 2006-07 में 68 मी. टन से बढ़कर 2007-08 में 270 मी. टन हो गए। इसके अलावा, वर्ष 2008-09 के प्रथम छह माह के दौरान भारत में 389 मी. टन का आयात

किया जा चुका है। इस दर से समूचे 2008-09 के वर्ष के दौरान कुल आयात (अनुमानित) 780 मी. टन के होंगे जिनमें एक ही वर्ष में 190% से अधिक की वृद्धि वर्ष होनी।

IV. अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में घरेलू उद्योग को लाने के लिए भारत में डायमेथोएट टेक्निकल के आयात पर सीमाशुल्क वर्ष 2004-05 में 20% से घटाकर 2008-09 में 10% हो गया है।

V. वर्ष 2005-06 में आयातों का बाजार हिस्सा 8% था। वर्ष 2006-07 में यह मामूली घटकर 7% हो गया परंतु वर्ष 2007-08 में यह पुनः पर्याप्ततः बढ़कर 25% हो गया। वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही में आयातों का बाजार हिस्सा बढ़कर 51% हो गया और समूचे वित्त वर्ष 2008-09 में इसके बढ़कर 60% हो जाने का अनुमान है। वर्ष 2006-07 में 92% के उच्च बाजार हिस्से से घरेलू उत्पादन का हिस्सा घटकर वर्ष 2008-09 में मात्र 40% रह गया अर्थात् 52% से अधिक की गिरावट आई।

VI. आयातों में अचानक वृद्धि और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति निर्यातक देश के अनुचित व्यापार व्यवहारों के कारण हुई है जो निश्चित तौर पर एक अप्रत्याशित घटना है जिसे भारतीय वार्ताकार कक्षों पर बातचीत करते समय भौंप न सके। डायमेथोएट टेक्निकल के लिए आयातशुल्क कच्ची सामग्री पी2एस5 है जिसका विनिर्माण एलो फॉस्फोरस से किया जाता है। चीन में एलो फॉस्फोरस का व्यापक भण्डार है और वह एकतर्फी से अपने व्यापार का नियंत्रण करता है। विदेशी बाजार में समस्त फॉस्फोरस आधारित उद्योगों को नष्ट करने और भारत सहित विदेशों में फॉस्फोरस आधारित बाजार पर कब्जा करने के लिए चीन ने अनुचित व्यापार व्यवहार शुरू कर दिए जिसके तहत चीन ने सुनियोजित ढंग से मूलभूत कच्ची सामग्री अर्थात् एलो फॉस्फोरस की लागत 120% तक भारी निर्यात शुल्क लगाकर विदेशी प्रतिस्पर्धियों के लिए बढ़ा दी और साथ-ही-साथ अपने घरेलू उत्पादकों के लिए सस्ती कीमत पर उसकी उपलब्धता सुनिश्चित की। इस व्यापार व्यवहार के कारण भारत में घरेलू उत्पादक हेतु डायमेथोएट टेक्निकल की उत्पादन लागत चीन के विनिर्माताओं की उत्पादन लागत की तुलना में काफी अधिक हो गई और इस प्रकार इस परिदृश्य में भारतीय विनिर्माता चीन के विनिर्माताओं के प्रतिस्पर्धा नहीं कर सके। चीन जन. गण. के अनुचित व्यापार व्यवहारों के कारण एलो फॉस्फोरस की कीमत 900 अम. डॉ. से बढ़कर 9000 अम. डॉ. हो गई अर्थात् केवल 4 वर्ष की अवधि में 10 गुना वृद्धि हुई। चीन द्वारा एलो फॉस्फोरस पर 120% तक का निर्यात शुल्क लगाए जाने और निर्यातक देश के अनुचित व्यापार व्यवहारों के कारण एलो फॉस्फोरस की कीमत में 10 गुना वृद्धि के साक्ष्य के रूप में आवेदक ने दिनांक 12 जून, 2008 के इकोनॉमिक टाइम्स के मुम्बई संस्करण में पृष्ठ 17 पर इकोनॉमी खण्ड में उल्लिखित “फॉस्फोरस बेस्ड प्रोडक्ट्स टू कॉस्ट मोर” शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया है। ऐसा ज्ञात हुआ है कि चीन जन. गण. द्वारा एलो फॉस्फोरस पर लगाए गए निर्यात शुल्क की वर्तमान दर 70% है।

VII. सामान्यतः वस्तु कर गंतव्य आधारित खपत कर होते हैं और आमतौर पर अधिकांश वस्तुओं के संबंध में निर्यातक देश द्वारा कोई कर नहीं लगाया जाता है। किसी निर्यातक देश द्वारा इस प्रकार करधान और वह भी 120% तक अप्रत्याशित है और भारतीय वार्ताकारों ने ऐसी स्थिति की कल्पना करने के लिए गैट में इसका पूर्वानुमान नहीं लगाया था जहाँ कोई देश उस स्थिति में ऐसा कोई अनुचित व्यापार व्यवहार अपनाएगा जब सदस्य देशों द्वारा मुक्त एवं निष्पक्ष अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सुनिश्चित करने पर बातचीत की जा रही हो।

VIII. इसके अलावा, उन देशों के जिनके पास काफी अधिक उत्पादन क्षमताएँ हैं, सहित विभिन्न देशों के घरेलू उद्योग अभूतपूर्व एवं असामान्य मंदी से अस्थिर हुए हैं। मंदी के कारण विश्व भर में माँग में अप्रत्याशित गिरावट आने से भारत में उत्पादकों की स्थिति और गंभीर हो गयी है। मूलभूत कच्ची सामग्री पर निर्यात शुल्क लगाना जिससे निर्यातक देश के प्रयोक्ता मुक्त हैं और उसके साथ-साथ भारत में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम कीमत पर फॉस्फोरस की व्युत्पत्तियों के निर्यात को प्रोत्साहित करना घरेलू उत्पादकों को पूर्णतः अव्यवहार्य बनाते हुए भारत के घरेलू बाजार पर कब्जा करने के लिए निर्यातक देशों की कार्यनीति रही है।

IX. उपर्युक्त अप्रत्याशित घटनाक्रमों के कारण भारत में आयात वर्ष 2006-07 के दौरान 68 मी. टन से बढ़कर वर्ष 2007-08 के दौरान 270 मी. टन हो गए। इसके अलावा, वर्ष 2008-09 के प्रथम छह माह के दौरान भारत में 389 मी. टन का आयात किया जा चुका है। इस दर से सम्पूर्ण वर्ष 2008-09 के दौरान कुल आयात 780 मी. टन के होंगे जिनमें एक ही वर्ष में 190% से अधिक की वृद्धि दर्ज होगी।

X. इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से आयातों में वृद्धि हुई है। वर्ष 2008-09 की शुरुआत में एलो फॉस्फोरस पर 120% निर्यात शुल्क लगाया गया था जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही में आयातों का हिस्सा वर्ष 2007-08 में 24% से बढ़कर 51% हो गया। आयात में इस वृद्धि से घरेलू उत्पादक को गंभीर क्षति हुई है जो कि सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं निर्धारण) नियम, 1997 के अनुबंध में उल्लिखित मापदंडों से स्पष्ट हो जाती है। वर्ष 2006-07 में 93% के हिस्से की तुलना में वर्ष 2008-09 में प्रथम छमाही में घरेलू उत्पादन का हिस्सा घटकर 49% हो गया जबकि इसी अवधि में आयातों का हिस्सा 7% से बढ़कर 51% हो गया है।

क) वर्ष 2006-07 में 93% के हिस्से की तुलना में वर्ष 2008-09 में प्रथम छमाही में घरेलू बिक्री का हिस्सा घटकर 51% हो गया जबकि इसी अवधि में आयात बिक्री का हिस्सा 7% से बढ़कर 49% हो गया है।

ख) मशीनों की उत्पादकता और संयंत्र की क्षमता एक समान बनी रही और यह क्षति संयंत्र की उत्पादन क्षमता के कारण नहीं हुई है।

ग) तथापि, क्षमता अनुप्रयुक्त रहने के कारण कर्मचारियों की संख्या के संबंध में उत्पादकता वर्ष 2007-08 में प्रति माह 702 कि.ग्रा. प्रति कर्मचारी की तुलना में घटकर 481 कि.ग्रा. प्रति कर्मचारी हो गई है।

घ) संयंत्र का क्षमता उपयोग वर्ष 2007-08 के 86% और वर्ष 2006-07 के 91% की तुलना में वर्ष 2008-09 के प्रथम 9 माह के दौरान घटकर 59% हो गया है।

ड.) आवेदक वर्ष 2007-08 तक मुनाफे में चल रहा था लेकिन वर्ष 2008-09 में प्रथम नौ माह में आवेदक को 16.27 लाख रु. का घाटा हुआ। यह स्थिति वर्ष 2008-09 की तीसरी तिमाही में और खराब हो गई जिसमें घाटा 30.82 लाख रु. तक का हुआ और इस प्रकार वर्ष 2008-09 की तीसरी तिमाही में गंभीर क्षति और विकराल हो गई।

ब) एसआरएल 102 लोगों को रोजगार देता है जो संयंत्र बंद होने के कारण बेकार हो गए हैं।

XI. अप्रत्याशित घटनाक्रम से आयात में वृद्धि हुई और आयातों में वृद्धि से गंभीर क्षति हुई है। ऐसा कोई अन्य संकेतक नहीं है जिससे स्पष्ट तौर पर घरेलू उत्पादक को हुई गंभीर क्षति/हानि के लिए गंभीर क्षति के खतरे पर प्रभाव पड़ता है।

XII. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि डाइमथोएट टेक्निकल पर स्लोपाय शुल्क लगाने से वास्तव में लोकहित की सिद्धि होगी और इससे लोगों को किसी भी रूप में कठिनाई नहीं होगी जैसा कि निम्नलिखित बिन्दुओं से स्पष्ट हो जाता है : अप्रत्याशित घटनाक्रमों से आयातों में वृद्धि हुई जिससे गंभीर क्षति हुई और आयातित वस्तु का हिस्सा वर्ष 2006-07 में मात्र 7% से बढ़कर वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही में 51% हो गया। यदि सुस्वात्मक उपाय नहीं किए जाएंगे तो एकमात्र घरेलू उत्पादक, जिसका संयंत्र आदेशों के अभाव में बंद हो चुका है, उत्पादन पुनः शुरू करने में समर्थ नहीं होगा। इस स्थिति में भारतीय डाइमथोएट आधारित कीटनाशक व्यापार विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर पूर्णतः निर्भर हो जाएगा। घरेलू उत्पादन सुविधाओं को पूर्णतः समाप्त करने के बाद विदेशी आपूर्तिकर्ता अपनी पसंद की कीमतें वसूलेंगे। इस प्रकार, भारतीय बाजार का शोषण करेंगे। भारत में डाइमथोएट आधारित कीटनाशक व्यापार पर विदेशी प्रतिस्पर्धियों का 100% नियंत्रण वस्तुतः जनहित में नहीं है। अतः यह वस्तुतः लोकहित में है कि घरेलू उत्पादक को बचाने के लिए सुस्वा उपाय किए जाएं।

XIII. स्लोपाय शुल्क लगाए जाने से भारत में अंतिम उपभोक्ताओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस समय जनता सस्ते आयातों से लाभान्वित नहीं हो रही है। इसेग्रो एग्रो कैमिकल्स लि. और रैलिस इंडिया लि. दोनों द्वारा अपने सक्रिय संघटक के रूप में 30% डाइमथोएट के साथ रोगोर ब्रांड नाम से कीटनाशकों का उत्पादन किया जाता है। इसेग्रो द्वारा आवेदक अर्थात् स्वदेशी स्रोत से खरीदे गए अपने डाइमथोएट के 100% के साथ रोगोर का उत्पादन किया जाता है और उसमें आयातित डाइमथोएट टेक्निकल का कोई घटक नहीं होता है और वह बाजार में 280 रु. प्रति लीटर की वर्तमान अधिकतम खुदरा कीमत पर उसकी बिक्री करता है। यद्यपि रैलिस इंडिया लि. द्वारा अधिकतम आयातित डाइमथोएट तत्पश्चात् रोगोर की बिक्री 342 रु. प्रति लीटर की वर्तमान अधिकतम खुदरा कीमत पर की जाती है। अतः किसानों के लिए घरेलू डाइमथोएट टेक्निकल से निर्मित रोगोर वस्तुतः आयातित डाइमथोएट टेक्निकल से निर्मित रोगोर की तुलना में सस्ता होता है। आयातित डाइमथोएट टेक्निकल पर स्लोपाय शुल्क से घरेलू डाइमथोएट टेक्निकल से निर्मित रोगोर की कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और अन्य कारकों में कोई परिवर्तन न होने पर यह अभी भी 280 रु. प्रति लीटर पर उपलब्ध होगा। आवेदक ने एमआरपी से अधिक कीमत प्रदर्शित करते हुए इन कंपनियों के रोगोर के नमूनों के साथ इन कंपनियों की कीमत सूची प्रस्तुत की है।

XIV. डाइमथोएट टेक्निकल के उत्पादन हेतु फॉस्फोरस पेन्टासल्फाइड (पी2एस5) मूलभूत कच्ची सामग्री है जिसका हिस्सा उसकी कच्ची सामग्री की लागत का लगभग 72% और कुल उत्पादन लागत का लगभग 50% बनता है। पी2एस5 एलोफॉस्फोरस की एक व्युत्पत्ति है जिस पर चीन द्वारा नियंत्रण रखा जा रहा है। चीन ने ऑर्गेनोफॉस्फेट रसायनों के विभिन्न उत्पादकों को अस्त-व्यस्त करने के लिए 120% तक का निर्यात शुल्क प्रभारित कर एलो फॉस्फोरस की जरूरतों में शेष विश्व को वस्तुतः परेशान बना दिया है। इन परिस्थितियों में एकमात्र गुंजाइश लागत के इस भाग के संबंध में रखी है तदनुसार एसआरएल द्वारा अन्य कच्ची सामग्रियों के संबंध में कुशलता में सुधार

करने हेतु एक उचित कार्यनीति अपनाने का प्रस्ताव किया जाता है जिससे लागत में कमी आएगी और कम्पनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धियों से प्रतिस्पर्धा कर सकेगी। एसआरएल की योजना अनेक समायोजन योजनाएँ निष्पादित करने की है जिनमें कम से कम कार्यान्वयन की दृष्टि से तीन वर्ष का समय लगेगा। एसआरएल द्वारा अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित उपाय किए जाएँगे :

- क) ईंधन के रूप में अपशिष्ट भारी तेल एवं जैविक परत का उपयोग,
- ख) विद्युत उपकरणों के आधुनिकीकरण द्वारा विद्युत की बचत,
- ग) बेहतर विनिर्माण पद्धतियों का उपयोग,
- घ) प्रबंधन पद्धतियों में सुधार,
- ड.) प्रशासनिक व्यय में कमी,
- च) कारगर मालसूची प्रबंधन।

#### 7. महानिदेशक के जाँच परिणाम

क) तुरंत रक्षोपाय लागू करने के मुद्दे की जाँच की गयी थी। यह पाया गया है कि 29.03.1995 और 12.11.2008 के बीच की अवधि के दौरान डब्ल्यूटीओ को कुल 168 रक्षोपाय संबंधी जाँच शुरुआतों की सूचना दी गयी है। यह पाया गया है कि इन मामलों में से 15 मामलों में रक्षोपाय जाँच शुरू किए जाने के 30 दिन के भीतर अनंतिम रक्षोपायों की सिफारिश की गई है/उन्हें लागू किया गया है। कुछ मामलों में जाँच की शुरुआत के दिन ही अनंतिम रक्षोपायों की सिफारिश की गई है। दिनांक 29.07.1997 की अधिसूचना सं. 35/1997-एनटी-सी.शु. द्वारा अधिसूचित सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियम, 1997 के नियम 9 में यह निर्धारित है कि महानिदेशक द्वारा जाँच शुरू करने की त्वरित कार्यवाही की जाएगी और महत्वपूर्ण स्थितियों में वह गंभीर क्षति या गंभीर क्षति होने के खतरे के बारे में प्रारंभिक जाँच परिणाम दर्ज कर सकते हैं। जाँचों को शासित करने वाले सिद्धांतों के बारे में उपबंध सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियम के नियम 6 में किए गए हैं जो नियम 9 से स्वतंत्र हैं। सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियम के नियम 15 में उस स्थिति में रक्षोपाय शुल्क के अंतर को वापस करने का उपबंध है यदि जाँच की समाप्ति के बाद लगाया गया रक्षोपाय शुल्क पहले से लगाए गए और वसूल किए गए अनंतिम शुल्क से कम रहता है। उक्त नियमावली के नियम 6, 9 एवं 15 के सुमेलीकृत पठन से यह निष्कर्ष निकलता है कि नियमावली में प्रारंभिक जाँच परिणाम एवं शुल्क के अंतर की वापसी के आधार पर अनंतिम रक्षोपाय शुल्क की त्वरित सिफारिश का प्रावधान है बशर्ते यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि प्राकृतिक न्याय का अनुपालन करते हुए जैसा कि नियम 6 में निहित है जाँच समाप्त होने के पश्चात लगाया गया शुल्क अनंतिम रक्षोपाय शुल्क से कम है। तथापि, महत्वपूर्ण स्थितियों में अनंतिम रक्षोपाय शुल्क को लागू करने में विलम्ब से क्षति हो सकती है जिसको सुधारना मुश्किल हो सकता है। तदनुसार, इस बात के निर्धारण हेतु परिस्थितियों के विश्लेषण को विवेकपूर्ण माना गया था कि क्या ये महत्वपूर्ण परिस्थितियों की श्रेणी में आती हैं।

ख) जाँचाधीन उत्पाद : भारत में डाइमथोएट टेक्निकल सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 की उपशीर्ष सं. 38089123 के अंतर्गत वर्गीकृत है। अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार इसे आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय भाषा में डाइमथोएट के नाम से जाना जाता है। यह उत्पाद विभिन्न सांद्रणों में होता है। सर्वाधिक सामान्य सांद्रण 85 से 98% के बीच



होता है। विभिन्न सांद्रणों के उत्पाद का उपयोग अदल-बदल कर किया जा सकता है। डाइमैथोएट का बड़े पैमाने पर उपयोग सम्पर्क में आने पर कीटों का नाश करने के लिए प्रयुक्त ऑर्गेनोफॉस्फेट कीटनाशी के रूप में किया जाता है। यह एंटीकोलिनेस्टेरेज है जिससे कोलीनेस्टेरेज, जो केन्द्रीय नाडी तंत्र प्रणाली के कार्यचालन हेतु आवश्यक इंजाइम है, अक्षम बनता है।

ग) घरेलू उद्योग— मै. शिवालिक रसायन लि. का उत्पादन भारत में घरेलू उत्पादन का 100% है, तदनुसार आवेदक सीमांत शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 8ख की उपधारा (6) के खण्ड (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

घ) अप्रत्याशित घटनाक्रम : गेट 1994 का अनुच्छेद XIX निम्नानुसार है :

“1 (क) यदि अप्रत्याशित घटनाक्रमों और इस प्रकार के तहत किसी संविधानकारी पक्ष द्वारा लिए गए दायित्वों के प्रभाव के परिणामस्वरूप ८ अप्रत्याशित घटनाक्रम ८ शब्द का उपयोग किया जाता है.....। ८ बहुबचन में ८ घटनाक्रमों” के इस्तेमाल का तात्पर्य यह है कि घटनाक्रम एक से अधिक हो सकते हैं जिनके संयोजित प्रभाव पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा, प्रायोगिक तौर पर यह आवश्यक नहीं कि सभी घटनाक्रम स्वतंत्र हों और वास्तव में ऐसे घटनाक्रम एक दूसरे पर प्रभाव डाल सकते हैं। यह ऐसे भी घटनाक्रमों के अनुवाद का प्रभाव ही है जो व्यापार की गतिशीलता पर प्रभाव डालते हैं और उनके कारण परिणामों में परिवर्तन हो सकता है। अतः अप्रत्याशित घटनाक्रमों और उनके परिणामों पर विचार करने के लिए यह आवश्यक है कि पूर्णतावादी दृष्टिकोण अपनाया जाए।

डाइमैथोएट टेक्निकल हेतु मूल कच्ची सामग्री पी2एस5 है जिसका विनिर्माण एलो फॉस्फोरस से होता है। प्रमुख निर्यातक देश अर्थात् चीन जन. गण. (चीन) के पास एलो फॉस्फोरस का पर्याप्त भण्डार है और उसके पास एलो फॉस्फोरस आधारित उत्पादों के व्यापार को प्रभावित करने की क्षमता है। चीन ने 120% तक का अधिकतम निर्यात शुल्क लगाकर चीन से भिन्न देशों के विनिर्माता प्रयोक्ताओं सहित अन्य प्रयोक्ताओं के लिए मूल कच्ची सामग्री अर्थात् एलो फॉस्फोरस की लागत बढ़ा दी है। इस व्यापार व्यवहार के कारण भारत में घरेलू उत्पादक के लिए डाइमैथोएट टेक्निकल की उत्पादन लागत चीन में विनिर्माता की उत्पादन लागत की तुलना में काफी अधिक हो गई है। इस वजह से एलो फॉस्फोरस की कीमत में कई गुना वृद्धि हुई है। एलो फॉस्फोरस पर चीन द्वारा लगाए गए निर्यात शुल्क की वर्तमान दर 70% है। सामान्यतः वस्तु का गंतव्य आध्यात्मिक खपत कर होते हैं और आमतौर पर अधिकांश वस्तुओं के संबंध में निर्यातक देश द्वारा कोई कर नहीं लगाया जाता है। किसी निर्यातक देश द्वारा इस प्रकार का करान और वह भी 120% तक अप्रत्याशित है।

इसके अलावा, उन देशों सहित जिनके पास काफी अधिक उत्पादन क्षमताएँ हैं, सहित विभिन्न देशों के घरेलू उद्योग अमृतपूर्व एवं असामान्य मंदी से अस्थिर हुए हैं। मंदी के कारण विश्व भर में माँग में अप्रत्याशित गिरावट आना और मूलभूत कच्ची सामग्री पर निर्यात शुल्क लगाना जिससे निर्यातक देश के प्रयोक्ता मुक्त हैं, अप्रत्याशित, अननुमेय घटनाक्रम है।

ड.) बड़े हुए आयात : वर्ष 2006-07 को छोड़कर 2005-06 से आयातों में समग्र रूप में वृद्धिकारी प्रवृत्ति रही है। वर्ष 2005-06 को आधार वर्ष के रूप में लेते हुए आयात में वर्ष 2006-07 में 11% की गिरावट आई, वर्ष 2007-08 में 255% की वृद्धि हुई और वर्ष 2008-09 में अप्रैल-सितंबर 08 में 412% की वृद्धि हुई। वर्ष-वार आयात के आंकड़े निम्नानुसार हैं :

तालिका-1

वर्ष	मात्रा (मी. टन में)	सूचीबद्ध
2005-06	76	100
2006-07	68	89.47
2007-08	270	355.26
2008-09 (प्रथम 6 माह)	389	511.84

इसी प्रकार घरेलू बाजार में आयातों का हिस्सा वर्ष 2005-06 में 8% से बढ़कर वर्ष 2007-08 में 25% और 2008-09 (प्रथम छमाही) में 51% हो गया। विस्तृत ब्यौरे निम्नानुसार हैं :

तालिका 2

खपत का बाजार हिस्सा	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (प्रथम छमाही)
आयात	8%	7%	24%	51%
घरेलू उद्योग	92%	93%	76%	49%

इस प्रकार डाइमैथोएट टेक्निकल के आयात में समग्र रूप में और कुल घरेलू बाजार की तुलना में वृद्धि हुई है।

#### च) गंभीर क्षति और गंभीर क्षति का खतरा

**बिक्री :** जॉचाधीन उत्पाद की बिक्री में पूर्ववर्ती वर्ष और आधार वर्ष 2005-06 की तुलना में वर्ष 2008-09 के दौरान अचानक एवं तीव्र गिरावट आई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है। पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2007-08 की तुलना में वर्ष 2008-09 में औसत मासिक बिक्री में गिरावट 20.71% रही है।

तालिका

	आवेदक द्वारा घरेलू बिक्री (मी. टन)	औसत मासिक बिक्री (मी. टन)	सूचीबद्ध
2005-06	844	70.33	100
2006-07	893	74.42	105.82
2007-08	819	68.25	97.04
2008-09 (प्रथम नौ माह)	487	54.11	76.94



**घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा :** वर्ष 2005-06 के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 92% था। वर्ष 2006-07 में यह मामूली बढ़कर 93% हो गया किन्तु वर्ष 2007-08 के दौरान घटकर 75% हो गया। वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 51% की भारी गिरावट आई। बाजार हिस्से में घरेलू उत्पादकों के हिस्से में यह गिरावट माँग में वृद्धि के बावजूद आई थी।

तालिका

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (प्रथम छमाही)
खपत का बाजार हिस्सा (भारत में कुल बिक्री)	-	-	-	-
आयात	8%	7%	25%	49%
घरेलू उद्योग	92%	93%	75%	51%

**उत्पादन :** वर्ष 2007-08 की तुलना में वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा जाँचाधीन उत्पाद के औसत मासिक उत्पादन में 14.65% की गिरावट देखी गई है। वर्ष 2005-06 की तुलना में 2006-07 में उत्पादन में सुधार हुआ है किन्तु उसके बाद गिरावट जारी रही है।

तालिका

वर्ष	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (प्रथम छमाही)
घरेलू उत्पादन (मी. टन)	829	906	860	367
औसत मासिक उत्पादन (मी. टन)	69.08	75.5	71.67	61.17

**क्षमता उपयोग :** वित्त वर्ष 2008-09 की तीसरी तिमाही के दौरान घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग केवल 18% था। क्षमता उपयोग में वर्ष 2005-06 की तुलना में 2006-07 में सुधार हुआ किन्तु उपयोग में सतत गिरावट आई। वर्ष 2008-09 (अप्रैल-दिसंबर) में आई इस गिरावट से क्षमता उपयोग घटकर 59% रह गया।

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (अप्रैल-दिस.)	2008-09 (अंतिम तीन माह)
क्षमता उपयोग (%)	83	91	86	59	18

**उत्पादकता :** प्रारंभिक जाँच से इस बात का कोई संकेत नहीं मिलता है कि यह क्षति उत्पादकता में हानि के कारण हुई है।

**लाभप्रदता :** आवेदक वर्ष 2007-08 तक मुनाफे में चल रहा था लेकिन वर्ष 2008-09 के प्रथम 9 माह के दौरान आवेदक को वर्ष 2007-08 में 100 रु. (सूचीबद्ध) का लाभ लेने के बाद 65.34 रु. (सूचीबद्ध) का घाटा हुआ है।

**रोजगार :** माँग में कमी के कारण घरेलू उद्योग 23.09.2008 से कई बार बंद हुआ है और यह 13.01.2009 से पूर्णतः बंद हो गया है। इस बंदी से 102 कर्मचारी बेकार हो गए हैं।

**छ. संवर्धित आयात एवं गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के बीच कारणात्मक संबंध :** इस अवधि में आर्थिक संकेतकों से गंभीर क्षति का पता चलता है उस अवधि को आयातों में समग्र एवं तुलनात्मक रूप में वृद्धि की अवधि के समकक्ष रखा गया है। वर्ष 2006-07 की तुलना में वर्ष 2008-09 (प्रथम छमाही) और 2007-08 के दौरान बिक्री एवं बाजार हिस्से में गिरावट को उसी अवधि के दौरान आयातों में वृद्धि के समनुरूप रखा गया है। इसी प्रकार वर्ष 2006-07 की तुलना में वर्ष 2008-09 (प्रथम छमाही) और 2007-08 के दौरान उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में गिरावट को इसी अवधि के दौरान आयातों में वृद्धि के सामयिक रखा गया है। तदनुसार प्रारंभिक निर्धारण से यह पता चलता है कि गंभीर क्षति और गंभीर क्षति का खतरा संवर्धित आयात के कारण उत्पन्न हुआ है।

**ज. समायोजन योजना :** घरेलू उत्पादक ने लागत में कटौती करने के लिए विस्तृत समायोजन योजना प्रस्तुत की है जिसमें ईंधन के रूप में अपशिष्ट भारी तेल एवं कार्बनिक परत का उपयोग, ईंधन के रूप में अपशिष्ट भारी तेल एवं जैविक परत का उपयोग, विद्युत उपकरणों के आधुनिकीकरण द्वारा विद्युत की बचत, बेहतर विनिर्माण पद्धतियों का उपयोग, प्रबंधन पद्धतियों में सुधार, प्रशासनिक व्यय में कमी, कारगर मालसूची प्रबंधन शामिल हैं। प्रारंभिक निर्धारण से इस योजना की व्यावहारिकता का पता चलता है।

**झ. महत्वपूर्ण परिस्थितियाँ :** घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा वर्ष 2006-07 में 93% से घटकर 2008-09 में 51% हो गया। अक्टूबर-दिसंबर, 2008 के दौरान क्षमता उपयोग घटकर 18% रह गया और इकाई बंद कर दी गई जिससे कर्मचारी बेकार हो गए। घरेलू उद्योग घाटे में चल रहा है जिससे वह प्रचालन पुनः शुरू करने और बाजार हिस्सा प्राप्त करने में असमर्थ है यदि तुरंत रक्षोपाय लागू नहीं किए जाते हैं। तदनुसार प्रारंभिक निर्धारण से यह पता चलता है कि ऐसी महत्वपूर्ण परिस्थितियाँ मौजूद हैं जिनमें अंतिम रक्षोपाय शुल्क लागू करने में होने वाले किसी विलंब से क्षति होगी जिसकी भरपाई करना कठिन होगा।

**अन्य मुद्दे :** आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि डाइमथोएट टेक्निकल पर रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से वस्तुतः सार्वजनिक हित सिद्ध होगा और जनता को कुल मिलाकर कोई कठिनाई नहीं होगी क्योंकि यह एकमात्र प्रचालनरत उद्योग है और घरेलू उद्योग की बहाली से प्रतिस्पर्धी एवं उचित कीमत पर भारतीय डाइमथोएट आधारित कीटनाशक विनिर्माताओं को डाइमथोएट टेक्निकल उपलब्ध कराने में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने में मदद मिलेगी। आगे यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू डाइमथोएट टेक्निकल का उपयोग करने वाले विनिर्माता उपभोक्ताओं को कम पहुँच मूल्य पर आयातित डाइमथोएट टेक्निकल का उपयोग करने वाले विनिर्माताओं से कम एमआरपी कीटनाशी नुस्खों की बिक्री करने में समर्थ हैं।

प्रारंभिक जाँच के दौरान अंतिम उपभोक्ता पर रक्षोपाय शुल्क के प्रभाव की जाँच की गयी थी। मै. ईसाग्रो एशिया, जो घरेलू उत्पादक के नुस्खों के प्रमुख क्रेताओं में से एक है, द्वारा पूर्णतः घरेलू रूप से उत्पादित डाइमथोएट टेक्निकल से “रोगोर डाइमथोएट 30% ईसी” तैयार किया जाता है। दूसरी ओर मै. रैलीज इंडिया लि., मुंबई द्वारा आयातित डाइमथोएट टेक्निकल से भी “रोगोर डाइमथोएट 30% ईसी” तैयार किया जाता है। बाजार सर्वेक्षण पर एकत्र किए गए नमूनों से यह

पता लगता है कि ईसाग्रो एशिया द्वारा विनिर्मित “ रोगोर डाइमेथोएट 30% ईसी ” की एमआरपी में रैलीज इंडिया लि., मुम्बई द्वारा उत्पादित समान उत्पाद “ रोगोर डाइमेथोएट 30% ईसी ” से कम है।

स्लोपाय शुल्क से केवल आयातित उत्पाद के पहुँच मूल्य में वृद्धि होने की संभावना है। स्लोपाय शुल्क का उद्देश्य उन लोगों के लिए भी उचित प्रतिस्पर्धा प्रदान करना है जो संवर्धित आयातों द्वारा हुई क्षति से निपटने के लिए समायोजन करना चाहते हैं। तदनुसार मैं यह समझता हूँ कि डाइमेथोएट टेक्निकल पर लगाए गए स्लोपाय शुल्क से ही कीटनाशकों (डाइमेथोएट 30%) के अंतिम उपभोक्ताओं द्वारा प्रदत्त अंतिम कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता है।

ट. विकासशील देश : चीन जो विकासशील देश है, से उत्पाद का आयात 50% से अधिक है। अन्य विकासशील देशों से आयात नगण्य हैं। तदनुसार दिनांक 14.12.1998 की अधिसूचना सं. 103/98-सीमाशुल्क (यथासंशोधित) द्वारा यथा अधिसूचित समस्त विकासशील देशों से डाइमेथोएट टेक्निकल के आयात पर स्लोपाय शुल्क नहीं लगेगा।

ठ. निष्कर्ष तथा सिफारिश : उपर्युक्त प्रारंभिक परिणामों के आधार पर यह देखा जा सकता है कि डाइमेथोएट टेक्निकल के संवर्धित आयातों द्वारा डाइमेथोएट टेक्निकल के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है। यहाँ महत्वपूर्ण परिस्थितियाँ, जिनमें स्लोपाय लागू करने में किसी भी प्रकार के विलंब से हुई क्षति की भरपाई कठिन होती है, मौजूद हैं जिसके कारण गंभीर क्षति तथा गंभीर क्षति के खतरे का अंतिम निर्धारण करने से पूर्व 200 दिन की अवधि के लिए अनंतिम स्लोपाय शुल्क को तत्काल लागू किए जाने की आवश्यकता है। घरेलू उत्पादकों द्वारा डाइमेथोएट टेक्निकल की औसत उत्पादन लागत (गोपनीय), लगाई गई पूँजी पर समुचित आय, आयात शुल्कों के वर्तमान स्तर और डाइमेथोएट टेक्निकल की औसत आयात कीमतों को ध्यान में रखते हुए सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के उपशीर्ष सं. 38089123 के अंतर्गत वर्गीकृत डाइमेथोएट टेक्निकल के भारत में हुए आयातों पर मूल्यानुसार 28% (अठाईस प्रतिशत) की दर से विशिष्ट स्लोपाय शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है जिसे घरेलू उद्योग के हित की रक्षा के लिए न्यूनतम रूप से अपेक्षित माना जाता है।

ड. आगे की प्रक्रिया :

(i) अंतिम निर्धारण करने से पूर्व यथासमय एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जाएगी जिसकी तारीख की सूचना अलग से दी जाएगी।

[फा. सं. डी-22011/07/2009]

एस. एस. राणा, महानिदेशक

**DIRECTOR GENERAL (SAFEGUARDS)**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 2nd February, 2009

**Subject: Safeguard investigation concerning imports of Dimethoate technical—Preliminary findings.**

**G.S.R. 66(E).**—Having regard to the Custom Tariff Act, 1975 and the Custom Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 thereof.

1. The notice of initiation of safeguards investigation concerning imports of Diamethoate technical into India was issued on 21 January 2009 and was published in the Gazette of India, Extraordinary on the same day. A copy of the notice was also sent to all known interested parties as under:-

**Domestic Producers**

M/s Shivalik Rasayan Limited, 1506, Chiranjivi Tower, 43, Nehru Place, New Delhi – 110019.

**Importers and Users**

- a) M/s Rallis India Ltd., Apeejay House, 7<sup>th</sup> Floor, 3 Dinsha Vachha Road, Mumbai – 400033.
- b) M/s Anu Products Ltd, Tigoan Road, Faridabad, Haryana.
- c) M/s Hyderabad Chemicals Ltd., A-24/25, APIE, Bala Nagar, Hyderabad – 500037 (A.P.).
- d) M/s Insecticides (India) Ltd., 401-402, Lusa Tower, Azadpur Commercial Complex, Delhi – 110033.
- e) M/s Atul Pesticides Pvt. Ltd., M-9,10,11, Gupta Tower, Azadpur Commercial Complex, Delhi – 110033.
- f) M/s Jai Shree Rasayan Udyog Ltd., M-4, Aradhana Bhawan, Azadpur Commercial Complex, Delhi – 110033.
- g) M/s Isagro (Asia) Agro Chemicals Pvt. Ltd., 101, Solitare Corporate Park, 151, M. Vasanji Road, Chakala, Andheri (East), Mumbai – 400093.
- h) M/s Hindustan Pulverising mills, 209-210, Anupam Bhawan, Azadpur Commercial Complex, Delhi – 110033.
- i) M/s Boss Agro Chemicals, 108 Chetak Centre, 12/2, RNT Marg, Indore – 452001 (M.P.).

**Associations**

Pesticide Manufacturers and Formulators Association of India (PMFAI), D-516, Crystal Plaza, Andheri Link Road, Andheri (West), Mumbai – 400053.

**Exporters**

a) Chongqing Min-Feng Agrochem Co.Ltd.  
Jingkou, Shapingba,  
Chongqing,  
China.

b) Jiangsu Tenglong Group  
No.1, Chengxiang(N) Road,  
Xituan Town, Dafeng City,  
Jiangsu 224 124  
China.

2. A copy of the notice was also sent to Governments of exporting countries through their Embassies in New Delhi.
3. Questionnaires were also sent, on the same day, to all known domestic producers, exporters and importers and they were asked to submit their response within 30 days.
4. The domestic industry has submitted the response to the questionnaire along with additional submissions.
5. All non confidential versions of the application, response and additional submissions have been kept in the Public Folder.

**6. View of the Domestic Industry**

a) The Domestic producer M/s Shivalik Rasayan Ltd, who account for 100% of the domestic production of Dimethoate Technical have made the following major points-

- I. The product is Dimethoate Technical falling under 8 digit code 38081026 of harmonized system of nomenclature and 38089123 of the First Schedule to the Custom Tariff Act, 1975 (CTA).
- II. The product comes in various concentrations. The most common concentration ranges between 85 to 98%. The product of various concentrations can be used interchangeably as in insecticide formulations the required concentration of Dimethoate Technical is less than 40%. In India the formulations are being sold in 30% concentration of Dimethoate Technical.
- III. Imports into India have increased from 68 MT during 2006-07 to 270 MT during 2007-08. Moreover, during the first six months of 2008-09, 389 MT have already been imported into India. At this rate, total imports during the full year 2008-09 (estimate) would be 780 MT- recording an increase of over 190% in a single year.
- IV. Custom duty upon importation of Dimathoate Technical into India has come down from 20% in 2004-05 to 10% in 2008-09 exposing domestic industry to international competition.
- V. Market share of imports was 8% during 2005-06. It went down marginally to 7% during 2006-07 but regained back substantially to 25% during 2007-08. In the

first half of 2008-09, market share of imports increased to 51% and it is estimated to go upto 60% for complete financial year 2008-09. From a high market share of 92 % in 2006-07, share of domestic production would come down to a mere 40% in 2008-09 – recording a fall of over 52%.

- VI. The sudden increase in imports and consequent injury to domestic industry is on account of predatory business practices of exporting country which is definitely an unforeseen development which Indian negotiators could not foresee while negotiating the agreements. The basic raw material for Dimethoate Technical is P2S5 which is manufactured out of yellow phosphorous. China has got huge reserves of yellow phosphorous and in a way controls its trade. To kill all phosphorous based industries in overseas Market, and to capture phosphorous based Market in overseas countries including India, china started following predatory trade practices where, China in a calculated manner artificially increased the cost of base raw material i.e. yellow phosphorous for overseas player by imposing heavy export duty as high as 120% and at the same time for its domestic producers ensured its availability at a cheaper price. On account of this trade practice, the cost of production of Dimethoate Technical for domestic producer in India is very high compared to cost of production of Chinese manufacturer and thus in this scenario Indian manufacturer cannot compete with Chinese manufacturer. On account of predatory trade practices of PR China, the price of yellow phosphorous has gone up from USD 900 to USD 9000 i.e. ten times in a short span of just 4 years. The applicant as an evidence of imposition of Export duty to the tune of 120% on yellow phosphorous by china and 10 times increase in price of yellow phosphorous on account of predatory trade practices of exporting country submits an article titled “Phosphorous based products to cost more” appearing in Economic Times Mumbai Edition on Jun 12, 2008 at Page: 17 in the Economy Section. The current rate of export duty on yellow phosphorous imposed by PR China is learnt to be 70%.
- VII. Normally commodity taxes are destination based consumption taxes and in general there are no taxes levied by the exporting country in respect of most of the commodities. This kind of taxation and that too by 120% by an exporting country was unexpected and unforeseen by Indian negotiators in GATT to perceive a situation where a country will adopting such a predatory trade practice , when member nations are negotiating to ensure free and fair international trade.
- VIII. Further the unprecedented and uneven recession has destabilized domestic industries of various nations including the nations who had very high production capacities. With unexpected fall in demand worldwide on account of recession, the situation of producers in India is even graver. The imposition of export duty on basic raw material from which users in exporting country are immune, accompanied with encouragement of export of derivatives of phosphorous at prices lower than the cost of sale by the domestic industry in India is the strategy of exporting nations to capture the domestic market of India, by making the domestic producers completely unviable.
- IX. On account of above unforeseen developments, Imports into India have increased from 68 MT during 2006-07 to 270 MT during 2007-08. Moreover, during the first six months of 2008-09, 390 MTs have already been imported into India. At

this rate, total imports during the full year 2008-09 would be 780 MT – recording an increase of over 190% in a single year.

- X. This unforeseen development has led to increase in imports. The 120% export duty on yellow phosphorous was imposed in the beginning of 2008-2009, as a result the share of imports in first half of 2008-2009 went up to 51 % from its share of 24% in 2007-08. This increase in import has led to serious injury to domestic producer which is evident from parameters mentioned in annexure of Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997. share of domestic production has gone down to 49% in first half of 2008-2009 compared to 93% in 2006-2007, whereas imports share has gone up from 7% to 51% in the same time span.
- a) Share of domestic sales has gone down to 51% in first half of 2008-2009 compared to 93% in 2006-2007, whereas imports sales share has gone up from 7% to 49% in the same time span.
  - b) The productivity of machines and capacity of plant remained same and the injury is not attributable to production capability of the plant.
  - c) However on account of idling of capacity, the productivity in relation to number of employees has gone down to 481 kg per employee per month compared to 702 kg per employee per month in 2007-2008.
  - d) The capacity utilization of the plant has gone down to 59% in first nine months of 2008-2009 compared to 86% of 2007-2008 and 91% of 2006-2007.
  - e) The applicant was running in profit till 2007-2008, however in 2008-2009 in first nine months the applicant has incurred a loss of Rs 16.27 lakhs. The situation has become worse in third quarter of 2008-2009, in which the losses are to the tune of Rs.30.82 lakhs and thus serious injury has become severe in third quarter of 2008-2009.
  - f) The SRL employs 102 people who have become idle on account of closure of plant.
- XI. The unforeseen development has caused increased in imports and increased in imports has caused serious injury. There is no other factor which has perceptible bearing on the serious injury /threat of serious injury faced by the domestic producer.
- XII. The applicant submits that the imposition of safeguard duty on Dimethoate technical will actually serve the public interest and in no way cause the hardship to public at large as apparent from points mentioned below: The unforeseen developments had led to increased imports which have caused serious injury and the share of imported goods have gone to 51% in the first half of 2008-2009 from a mere 7 % in 2006-07. If protection measures are not taken, the sole domestic producer, whose plant is already closed in absence of orders, will not be able to resume production. In this scenario the Indian Dimethoate based insecticides trade will become 100% dependent on foreign supplies. After complete wiping of domestic production facilities, the foreign supplier will charge prices of their choice and thus will exploit Indian market. The 100% control of foreign players on Dimethoate based insecticides trade in India is really not in public interest.



Therefore it is really in public interest that protection measures are taken to save domestic producer.

- XIII. The imposition of safeguard duty shall not affect the ultimate consumers in India at all. At present the public at large is not benefited by cheaper imports. Isagro Agrochemicals Ltd. as well as Rallis India Ltd both produces insecticides with brand name Rogor with 30% Dimethoate as its active ingredient. Isagro produces Rogor with 100 % of their Dimethoate procured from applicant i.e. indigenous sources and with no content of imported Dimethoate Technical and sell in the market at a current MRP of Rs. 280/- per litre. Whereas the Rallis India Ltd with maximum imported Dimethoate content sells Rogor at a current MRP of Rs. 342/- per litre. Therefore for the farmers, Rogor made from domestic Dimethoate Technical is actually cheaper compared to Rogor made from imported Dimethoate Technical. The safeguard duties on imported Dimethoate technical will not have any effect on the price of Rogor made from domestic Dimethoate technical and this will be still available at Rs 280/litre if there are no changes in other factors. The applicant has submitted the price list of these companies along with Rogor samples of these companies showing above MRPs.
- XIV. The Phosphorous Pentasulphide (P<sub>2</sub>S<sub>5</sub>) is basic raw material to produce Dimethoate Technical which constitutes about 72% of its raw material cost and roughly 50% of total production Cost. P<sub>2</sub>S<sub>5</sub> is a derivative of yellow phosphorus which is being controlled by China. China has virtually made rest of the world a hostage in Yellow Phosphorus needs by charging export duty as high as 120% to disturb various producers of Organophosphate Chemicals. Under the circumstances the only scope left is in respect of this part of cost. Accordingly SRL proposes to adopt an appropriate strategy to improve upon efficiency in respect of other raw materials which will bring cost effectiveness and enable the company to compete with the international players. SRL plans to execute a number of adjustment plans that would take at least three years to implement. SRL shall be taking following measures among others.
- a) Use of waste heavy oil and organic layer as fuel,
  - b) Power saving by modernizing electrical equipments.
  - c) Use of better manufacturing practices.
  - d) Improvement in management practices.
  - e) Reduction of administrative expenses,
  - f) Effective Inventory Management.

#### **7. Findings of D.G.**

- a) The issue to impose immediate safeguard measures was examined. It has been found that a total of 168 Safeguard Initiations have been reported to the WTO during the period between 29.03.1995 and 12.11.2008. It has been observed that in 15 of these cases provisional safeguard measures have been recommended/ imposed within 30 days of initiation of the safeguard investigation. In some cases the provisional safeguard measures have been recommended on the same day as the date of initiation of the investigation. The Rule 9 of Customs Tariff (Identification And Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 notified vide Notification No. 35/97-NT-Customs dated 29.07.1997 prescribes that the Director

General shall proceed expeditiously with the conduct of the investigation and in critical circumstances, he may record a preliminary finding regarding serious injury or threat of serious injury. The principles governing investigations have been provided in the Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, which is independent to Rule 9. The Rule 15 of the Customs Tariff (Identification And Assessment of Safeguard Duty) Rules provide for refund of differential Safeguard duty in case safeguard duty imposed after conclusions of the investigations is lower than the provisional duty already imposed and collected. The harmonious reading of Rules 6,9 and 15 of the said Rules leads to a conclusion that the Rules provide for expeditious recommendation of provisional Safeguard duty based on preliminary findings and refund of the differential duty in case it is ascertained that the duty imposed after conclusion of investigation following natural justice as enshrined in the Rule 6 is lower than the provisional Safeguard Duty. However, in critical circumstances any delay in imposition of provisional Safeguard duty may cause damage which would be difficult to repair. Accordingly, it was considered prudent to analyze circumstances to assess whether the same falls in the category of critical circumstances.

- b) **The product under investigation** – Dimethoate Technical into India. Dimethoate Technical is classified under sub-heading No. 38089123 of Schedule I of the Customs Tariff Act 1975. It is commonly known as Dimethoate in international literatures as per the guidelines of International Organization for Standardization. The product comes in various concentrations. The most common concentration ranges between 85 to 98%. The product of various concentrations can be used interchangeably. Dimethoate is a widely used organophosphate insecticide used to kill insects on contact. It is an anticholinesterase which disables cholinesterase, an enzyme essential for central nervous system function.
- c) **Domestic Industry** - M/s Shivalik Rasayan Ltd. account for 100% of domestic production in India. Accordingly, the applicants constitute domestic industry in terms of clause (b) of subsection (6) of Section 8B of the Customs Tariff Act, 1975.
- d) **Unforeseen Developments**: The Article XIX of GATT 1994 which reads as:  
 “ 1. (a) If, as a result of unforeseen developments and of the effect of the obligations incurred by a contracting party under this Agreement,.....” uses the term ‘unforeseen developments’. The use of plural term ‘developments’ implies that there could be more than one development whose combined effect may be considered. Further, in practice all developments may not be independent and in fact such developments may influence each other. It is the effect of resonance of all such developments which impact the business dynamics and tilt the odds from one to another. Therefore, in order to consider unforeseen developments and the result thereof, it is necessary to take holistic view.  
 The basic raw material for Dimethoate Technical is P2S5 which is manufactured out of yellow phosphorous. The main exporting nation i.e People’s Republic of China (China) has significant reserve of yellow phosphorous and has capability to influence the trade of yellow phosphorous based products. China increased the cost of base raw material i.e. yellow phosphorous for users including

46561/09-3

manufacturer users of countries other than that of China by imposing heavy export duty of 120%. On account of this trade practice, the cost of production of Dimethoate Technical for domestic producer in India is very high compared to cost of production of manufacturer in China. On account of this, the price of yellow phosphorous has gone up many times. The current rate of export duty on yellow phosphorous imposed by PR China is 70%. Normally, commodity taxes are destination based consumption taxes and in general there are no taxes levied by the exporting country in respect of most of the commodities. This kind of taxation and that too by 120% by an exporting country is unexpected. Further the unprecedented and uneven recession has destabilized domestic industries of various nations including the nations who had very high production capacities. With unexpected fall in demand worldwide on account of recession, coupled with the imposition of export duty on basic raw material from which users in exporting country are immune are unexpected, unforeseen developments.

- e) **Increased Imports** - There has been increasing trend in imports in absolute terms from the year 2005-06 except in 2006-07. Taking base year as 2005-06, the import has decreased by 11% in 2006-07, increased by 255% in 2007-08 and further increased by 412% in 2008-09 (April to Sept. 08). The import figures year wise is mentioned below:

**Table-1**

Year	Quantity (in MT)	Indexed
2005-06	76	100
2006-07	68	89.47
2007-08	270	355.26
2008-09 (1st 6 months)	389	511.84

Similarly, share of imports in the domestic market has gone up from 8% in 2005-06 to 25% in 2007-08 & 51% in 2008-09 (first half). The detailed statistics is mentioned below:

**Table-2**

Market share of Consumption	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (First half)
Imports	8%	7%	24%	51%
Domestic Industry	92%	93%	76%	49%

The imports of Dimethoate Technical have thus increased in absolute terms as well as compared to total domestic market.

f) **Serious injury and Threat of serious injury –**

**Sales:** The sales of the product under investigation has seen sudden and sharp decline during the year 2008-09 compared to the preceding year as well as the base year 2005-06, as apparent from the Table below. The decline in average monthly sale in 2008-09 has been 20.71% compare to the preceding year i.e 2007-08.

Table:

	Domestic sale by the applicant (MT)	Average Monthly Sale (MT)	Indexed
2005-06	844	70.33	100
2006-07	893	74.42	105.82
2007-08	819	68.25	97.04
2008-09 (first nine months)	487	54.11	76.94

**Market Share of domestic Industry:** Market share of domestic industry was 92% during 2005-06. It improved marginally to 93% during 2006-07 but fell to 75% during 2007-08. In the first half of 2008-09, market share of domestic industry saw significant fall to 51%. The fall of share of domestic producers in market share is despite growing market.

Table

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (First half)
Market share of Consumption (Total sales in India)	-	-	-	-
Imports	8%	7%	25%	49%
Domestic industry	92%	93%	75%	51%

**Production:** The average monthly production of the product under investigation by the domestic industry has seen decline of 14.65% during the first half of 2008-09 compared to 2007-08. There has been improvement in production in 2006-07 over 2005-06 but it continued to decline thereafter.

Table:

Year	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (First Half)
Domestic production (MT)	829	906	860	367
Average Monthly Production(MT)	69.08	75.5	71.67	61.17

**Capacity Utilization:** The capacity utilization of the domestic industry was mere 18% during the third quarter of the financial year 2008-09. The capacity utilization had improved in 2006-07 compared to 2005-06, but the utilization decreased continuously. The fall in 2008-09 (Apr-Dec) had brought the capacity utilization to 59%.

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (Apr-Dec)	2008-09 (last three months)
<b>Capacity Utilization (%)</b>	83	91	86	59	18

**Productivity:** The preliminary investigation shows no indication to suggest that the injury is on account of loss of productivity.

**Profitability:** The applicant was running in profit till 2007-2008, however in 2008-2009 in first nine months the applicant has incurred a loss of Rs 65.34 (Index) taking profit of Rs. 100 (index) in the year 2007-08.

**Employment:** The domestic industry has been shut down intermittently from 23.9.2008 for want of demand and it is closed since 13.1.2009. This closure has turned 102 employees idle.

- g) **Causal link between increased import and serious injury or threat of serious injury** –The period when economic indicators show serious injury coincide with the period of increasing imports in absolute as well as relative terms. The fall in sales and market share during 2008-09 (first half) and 2007-08 compared to 2006-07 coincide with the increase in imports during the same period. Similarly, fall in production and capacity utilization during 2008-09 (first half) and 2007-08 compared to 2006-07 coincide with the increase in imports during the same period. Accordingly, the preliminary determination shows that the serious injury and threat of serious injury is attributable to the increased import.
- h) **Adjustment plan** –The domestic producer has submitted detailed adjustment plan to cut cost, which includes Use of waste heavy oil and organic layer as fuel, Power saving by modernizing electrical equipments, Use of better manufacturing practices, Improvement in management practices, Reduction of administrative expenses, Effective Inventory Management. The preliminary determination shows that the plan is viable.
- i) **Critical Circumstances:** The market share of domestic industries has fallen from 93% in 2006-07 to 51% in 2008-09. The capacity utilization reduced to 18% during Oct-Dec, 2008 and the unit is closed rendering employees idle. The domestic industry is making losses incapacitating him to restart the operation and regain market share, if immediate safeguard measures are not taken. Accordingly, The preliminary determination shows that critical circumstances exist in which delay in imposing provisional safeguard duty would cause damage which it would be difficult to repair.

- j) **Other Issues:** The applicant submits that the imposition of safeguard duty on Dimethoate Technical will actually serve the public interest and in no way cause the hardship to public at large as it is the only surviving industry and survival of the domestic industry would help maintain competition to provide Dimethoate Technical to Indian Dimethoate based insecticides manufacturers at competitive and fair prices. It has been further submitted that the manufacturer using domestic Dimethoate Technical is able to sell the insecticide formulations at lower MRP to consumers than the manufacturer using imported Dimethoate Technical at lower landed value.

During preliminary investigation the impact of safeguard duty on the ultimate consumer was studied. M/s ISAGRO ASIA who is one of the main buyers of the domestic producer formulates "ROGOR Dimethoate 30% EC" out of solely domestically produced Dimethoate Technical. On the other hand M/s Rallies India Ltd, Mumbai formulates "ROGOR Dimethoate 30% EC" out of imported Dimethoate Technical as well. The samples collected on market survey shows that the MRP of the "ROGOR Dimethoate 30% EC" manufactured by ISAGRO ASIA is lower than the identical product "ROGOR Dimethoate 30% EC" produced by M/s Rallies India Ltd, Mumbai.

The safeguard duty is likely to increase the landed value of the imported product only. The safeguard duty intends to make the competition fair even for those who need adjustment to deal with the injury caused by increased imports. Accordingly, I find that the safeguard duty imposed on Dimethoate Technical alone may not have any bearing on the price paid by the ultimate consumers of insecticide (Dimethoate 30%).

- k) **Developing Nations:** The import of the product from China, which is a developing nation, is more than 50%. Imports from other developing nations are insignificant. Accordingly, imports of Dimethoate Technical from all developing nations as notified vide Notification No. 103/98-Cus dated 14.12.1998 (as amended) except China may not attract safeguard duty.
- l) **Conclusion and Recommendation:** On the basis of the above preliminary findings it is seen that increased imports of Dimethoate Technical have caused serious injury to domestic producers of Dimethoate Technical. There exist critical circumstances, where any delay in application for safeguard measures would cause damage which it would be difficult to repair, necessitating immediate application of provisional safeguard duty for a period of 200 days, pending a final determination of serious injury and threat of serious injury. Considering the average cost of production of Dimethoate Technical by the domestic producers (confidential), a reasonable return on capital employed, the present level of import duties and the average import prices of Dimethoate Technical, safeguard duty at the rate of 28% (Twenty Eight Percent) ad-valorem, which is considered to be the minimum required to protect the interest of domestic industry, is recommended to be imposed on imports of Dimethoate Technical classified under sub-heading No. 38089123 of Schedule I of the Customs Tariff Act 1975 into India.

**1 Further Process:**

- (i) A public hearing will be held in due course before making a final determination, for which the date will be informed separately.

[F. No. D-22011/07/2009]

S. S. RANA, Director General